सांग जांगमू

अकादेमी पुरस्कार:
लोक नृत्य, अरुणाचल प्रदेश

SANG JANGMU

Akademi Award:
Folk Dance, Arunachal Pradesh

सांग जांगमू का जन्म 14 जून 1946 को अरुणाचल प्रदेश के सांगती गांव में हुआ था। आप मोनपा जनजाति से ताल्लुक रखते हैं और बौद्ध गुरु हैं। सांग जांगमू ने 57 वर्षों की अवधि में लेकी डक्पा से अजी ल्हामू लोक नृत्य सीखा।

सांग जांगमू अरुणाचल प्रदेश के मोनपा समुदाय के अजी ल्हामू लोक नृत्य के एक सम्मानित शिक्षक हैं। आपने अपने छात्रों के साथ अरुणाचल प्रदेश और पूरे भारत में कई उत्सवों में भाग लिया है। अजी ल्हामू, जिसमें आपने 36 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया है, रामायण से मिलता-जुलता एक धार्मिक नृत्य-नाटक है। इसमें मुख्य रूप से पाँच पात्र होते हैं। न्यापा मुख्य पात्र है और न्या प्रतिद्वंद्वी पात्र है। दो महिला पात्र हैं, ल्हुम और ल्हामू। ल्हामू एक परी है जो स्वर्ग से सीधे पृथ्वी पर आई है और पृथ्वी पर ग्येली की रानी बन गई है। पांचवां चरित्र पौराणिक है और ग्येली के नाम से जाना जाता है। लोसार महोत्सव में, लोग इस गीत का प्रदर्शन करते हैं और त्योहार मनाते हैं। इस नृत्य शैली ने दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल की है।

सांग जांगमू को अरुणाचल प्रदेश के लोक नृत्य में योगदान के लिए वर्ष 2020 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Sang Jangmu was born on 14 June 1946 at Sangti village in Arunachal Pradesh. She belongs to the Monpa tribe and is a Buddhist Guru or Lama. Sang Jangmu learnt the Aji Lhamu folk dance from Leki Dakpa over a period of 57 years.

Sang Jangmu is a respected teacher of the Aji Lhamu folk dance of the Monpa community of Arunachal Pradesh and has attended many festivals across Arunachal Pradesh and all over India with her students. Aji Lhamu, in which she has trained over 36 students, is a religious dance-drama resembling the Ramayana. It mainly has five characters. Nyapa is the lead character and Nyao is the rival character. There are two female characters, Lhum and Lhamu. Lhamu is a fairy who has come down to Earth, directly from heaven and became the queen of Gyeli on Earth. The fifth character is mythological and is known as Gyeli. At Losar Festival, people perform this song and celebrate the festival. This dance form has gained popularity across the world.

Sang Jangmu receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2020 for her contribution to the folk dance of Arunachal Pradesh.